विंध्यधाम : मुख्यमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट अब पूर्णता की ओर, काशी की तर्ज पर बदलेंगे गंगा घाटों के स्वरूप

लुभाएंगे आकर्षक गंगा घाट, श्रद्धालु उठा सकेंगे नाव का आनंद

मीरजापुर।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट विंध्य कारिडोर अब पूर्णता की ओर है। विंध्यवासिनी मंदिर के चारों तरफ परिक्रमा पथ (आस्था का गलियारा) लगभग बनकर तैयार हो चुका है। दो मंजिला परिक्रमा पथ का 70 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है।

विंध्य कारिडोर निर्माण के साथ पक्का घाट समेत अन्य घाटों का भी सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इससे श्रद्धालुओं को आने-जाने में परेशानी नहीं होगी। लोग गंगा के पानी का आचमन करने के साथ नाव का भी आनंद उठा सकेंगे। विंध्य कारिडोर का निर्माण कार्य दिसंबर 2023 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साफ तौर पर कहा है कि पहले निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाए, फिर फिनीशिंग कार्य किया जाए। साथ ही गुणवत्ता पर सख्त हिदायत दी है। विंध्य कारिडोर निर्माण के लिए नामित राजकीय निर्माण निगम के सहायक अभियंता राजकुमार पांडेय ने बताया कि जल्द ही दो मंजिला परिक्रमा पथ के साथ विंध्य कारिडोर का अलौकिक स्वरूप निखरकर सामने आएगा। निर्माण कार्य लगातार चल रहा है। कोशिश होगी कि शारदीय नवरात्र तक निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाए। इसके बाद फिनीशिंग कार्य किया जाएगा। हालांकि वर्तमान में 130 पीलर पर दो मंजिला परिक्रमा पथ बनकर तैयार है। फिनीशिंग कार्य शेष है, जो जल्द ही पूर्ण कर लिया जाएगा। साथ ही कोतवाली रोड, पुरानी वीआइपी, नई वीआइपी व पक्का घाट मार्ग पर भी निर्माण कार्य चल रहा है।

विंध्य कारिडोर के अंतर्गत डेढ़ लाख टन का पानी टंकी व अग्निशमन केंद्र भी बनना है। विंध्यवासिनी मंदिर के पास अंडरग्राउंड पानी टंकी निर्माणाधीन है। अग्निशमन केंद्र का भी निर्माण जल्द शुरू होगा। नाली, पानी, सीवर व विद्युत व्यवस्था अंडरग्राउंड होगी। नाली, पानी, सीवर का काम तो चल रहा है, लेकिन अभी विद्युतीकरण कार्य शुरू नहीं हो सका है।

निकाय चुनाव : निगम ने जारी की 1286 एनओसी, निगम कोष में जमा हुआ 4 करोड़ टैक्स

गाजियाबाद। नगर निकाय चुनाव के लिए नगर निगम ने 1286 एनओसी जारी की। जबकि इस दौरान नगर निगम कोष में साढ़े चार करोड़ का टैक्स जमा हुआ। इसकी शुरुआत 12 अप्रैल 2023 को की गई थी, जिसकी कार्यवाही अवकाश के दिवसों में भी जारी रही। 24 अप्रैल 2023 एनओसी का अंतिम दिन रहा, जिसमें 20 एनओसी जारी की गई है। अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव ने बताया कि 100 वार्ड के पार्षद प्रत्याशियों तथा महापौर प्रत्याशियों द्वारा एनओसी के लिए आवेदन किए गए। जिसमें 1286 एनओसी जारी की जा चुकी है।

डिप्टी सीएम की रैली में 10 हजार की भीड़ जुटाने का लक्ष्य

मुरादाबाद। **भारतीय जनता पार्टी मुरादाबाद महानगर इकाई की बैठक बुद्धि विहार स्थित कार्यालय पर सम्पन्न हुई। जिसमें 27 अप्रैल को उपमुख्यमंत्री की चुनावी जनसभा को लेकर विचार विमर्श हुआ।**

बैठक में महानगर प्रभारी व प्रदेश मंत्री वाईपी सिंह, सभी वार्डों के भाजपा पार्षद प्रत्याशी, वार्ड प्रवासी, मंडल अध्यक्ष और महानगर इकाई के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में महानगर प्रभारी वाईपी सिंह ने बताया कि 27 अप्रैल को दोपहर 3 बजे लाइनपार स्थित रामलीला ग्राउंड में प्रदेश सरकार में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। उन्होंने बताया कि डिप्टी सीएम की जनसभा में 10 हजार की भीड़ का लक्ष्य निर्धारित है। इस लक्ष्य से अधिक पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, मतदाता जनसभा में पहुंचेंगे। वाईपी सिंह ने आगे कहा कि नगर निगम चुनाव में अब सिर्फ 9 दिन का समय हमारे पास शेष है। इन 9 दिनों में सभी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को जुट जाना है और अपने-अपने वार्ड के पार्षद प्रत्याशी और महापौर प्रत्याशी को प्रत्येक बूथ पर ऐतिहासिक विजय रिकॉर्ड मतों के हिसाब से दिलानी है। हमारा पार्षद और हमारा मेयर जब जीतेगा तभी हम मतगणना स्थल से गर्व से सिर ऊंचा करके बाहर निकलेंगे।

प्रभावी रणनीति व क्रियान्वयन से ही होगा मलेरिया उन्मूलन : सीएमओ

विश्व मलेरिया दिवस पर वाराणसी के पीएचसी व सीएचसी पर गोष्ठी, निकली जन जागरूकता रैली

थीम 'शून्य मलेरिया देने का समय : निवेश, नवाचार, कार्यान्वयन'

वाराणसी।

विश्व मलेरिया पर मंगलवार को जनपद के सभी पीएचसी व सीएचसी पर विशेष गोष्ठी के साथ जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ संदीप चौधरी ने कहा कि मलेरिया का उन्मूलन प्रभावी रणनीति व क्रियान्वयन से होगा। उन्होंने बताया कि देश को वर्ष 2030 तक मलेरिया से मुक्त करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

इसके साथ ही जनपद में मलेरिया पर नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य विभाग प्रभावी रणनीति बनाकर कार्य कर रहा है। इसका परिणाम यह रहा है कि वर्ष 2017 में जनपद में मलेरिया के करीब 400 मरीज पाये गए थे, लेकिन पिछले वर्ष 78 रोगी पाये गए। संचारी रोग नियंत्रण अभियान के साथ-साथ विभिन्न गतिविधियों, प्रचार-प्रसार की वजह से मलेरिया के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। इसी उद्देश्य से हर साल 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि इस बार विश्व मलेरिया दिवस की थीम 'शून्य मलेरिया देने का समय : निवेश, नवाचार व कार्यान्वयन' रखी गई है। इस थीम का उद्देश्य मलेरिया उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने में निवेश करना, आधुनिक तकनीकों और अनुसंधान कर नवाचार की ओर ध्यान आकर्षित करना तथा उसको जमीनी स्तर पर लागू करना है।

उन्होंने बताया कि मलेरिया पर प्रभावी नियंत्रण करने के लिए चार प्रमुख रणनीति बनाई गई हैं। पहला एक्टिव सर्विलान्स जिसमें आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने के साथ ही साथ रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट (आरडीटी) किट के माध्यम से मलेरिया की जांच कर रही हैं। दूसरा पैसिव सर्विलान्स ओपीडी के दौरान बुखार ग्रसित सभी रोगियों की मलेरिया की जांच की जा रही है। तीसरा नियमित स्वास्थ्य कैंप के जरिये मलेरिया के रोगी खोजना है। चौथा कहीं भी एक रोगी मिलने पर स्वास्थ्यकर्ताओं के माध्यम से आसपास के क्षेत्र की कोंट्रेक्ट ट्रेसिंग और रोकथाम करना है।

जिला मलेरिया अधिकारी (डीएमओ) शरद चंद पांडेय ने बताया कि जनपद की आबादी के अनुसार मच्छरों का घनत्व जितना कम होगा मलेरिया से उतने ही अधिक सुरक्षित होंगे। वर्तमान में सभी हॉटस्पॉट में हाउस इंडेक्स एक से कम है जो सामान्य स्थिति में है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मच्छरों के प्रजनन स्रोतों को नष्ट कराया जा रहा है। मलेरिया व डेंगू के लिए पूर्व से चिन्हित ग्रामीण के 62 व शहर के 55 हॉटस्पॉट क्षेत्रों में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। एंटी लार्वा का छिड़काव तथा फागिंग भी करायी जा रही है। डीएमओ ने बताया कि मलेरिया का प्रसार मादा एनीफिलीस मच्छर के काटने से होता है। एक अंडे से मच्छर बनने की प्रक्रिया में पूरा एक सप्ताह का समय लगता है। मलेरिया हो जाने पर रोगी को ठंड देकर नियमित अंतराल पर बुखार आना, सिरदर्द, उल्टी, पेट में दर्द, रक्त अल्पता, मांसपेशियों में दर्द, अत्यधिक पसीना आना आदि लक्षण दिखाई देते हैं। समय से जांच व उपचार मिलने पर रोगी पूरी तरह स्वस्थ हो जाता है।

एक नजर आंकड़ों पर

जिला मलेरिया विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2017 में 406 रोगी पाये गए थे। वर्ष 2018 में 340, वर्ष 2019 में 271, वर्ष 2020 में 46, वर्ष 2021 में 164, वर्ष 2022 में 78 और वर्ष 2023 में अब तक सिर्फ सात मलेरिया रोगी पाये गए।

उत्तरप्रदेश के विकास के लिए हेमवती नंदन बहुगुणा का विजन स्पष्ट था : आदित्यनाथ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा की जयंती पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री ने योजना भवन में बहुगुणा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 25 अप्रैल 1919 को हेमवती नंदन बहुगुणा का जन्म उत्तराखंड राज्य के पौड़ी जिले के गांव में हुआ था। योगी ने उन्हें याद करते हुए कहा कि 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान और उसके बाद बतौर मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश के विकास में बहुगुणा का बहुत योगदान है। विकास के लिए उनका विजन बहुत स्पष्ट था। योगी ने कहा कि प्रारम्भिक शिक्षा गांव में अर्जित करने के बाद अपनी सेकेंडरी और सीनियर सेकेंडरी शिक्षा के साथ-साथ उच्च शिक्षा के लिए उन्हें प्रयागराज आना पड़ा। उच्च शिक्षा अर्जित करते समय ही देश की आजादी के आंदोलन में वे सक्रिय भागीदार बने। उन्हें अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन करने का अवसर स्वतंत्र भारत में प्राप्त हुआ। एक मुख्यमंत्री के रूप में उत्तर प्रदेश एवं देश की सेवा के लिए वे सदैव स्मरण किए जाएंगे।

खबरम्

खास खबरें

दो साल के बच्चे को कीड़ा खिलाती है मां, बताई हैरान कर देने वाली वजह

नई दिल्ली। माता-पिता की जिम्मेदारी होती है कि वो अपने बच्चों की सेहत का ध्यान रखें। वह अपने बच्चों को ऐसी चीजों को खिलाएं जिससे उनकी कमजोरी दूर हो और शरीर मजबूत बनें। माताएं परेशान रहती हैं कि वह अपने बच्चे को क्या खिलाएं कि वह हमेशा स्वस्थ रहें। हालांकि इन दिनों एक मां ने प्रोटीन की कमी को पूरा करने के लिए अपने बेटे को अजीबोगरीब चीज का सेवन करा रही है। इस बारे में जानकर आपको यकीन नहीं होगा, लेकिन यह बिल्कुल सच है। दरअसल एक महिला अपने दो साल के बेटे के प्रोटीन की कमी को पूरा करने के लिए कीड़ा खीला रही है। दावा किया है कि इसमें काफी मात्रा में प्रोटीन होता है। इसके साथ ही दूसरी चीजों की भी पूर्ति करता है। इस महिला का नाम वीनस कलामी है, जो एक फूड ब्लॉगर हैं। कनाडा के टोरंटो शहर में रहने वाली वीनस का कहना है कि मैंने थाईलैंड और वियतनाम जैसे देशों की यात्रा के समय कुछ न कुछ नया करने की कोशिश की है। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान टारेंटुला की तली टांगों से लेकर बिच्छू तक खाया है। इसके अलावा झींगुर और चींटियों का भी स्वाद लिया है, जो बेहद पसंद आया। उन्होंने कहा कि इन चीजों को हम सभी के रूटीन के भोजन में भी शामिल करना चाहिए। उन्होंने बताया कि जब मैं कुछ पहले लौटकर आई, तो अपने बच्चे को यह खिलाने का निर्णय लिया।

ये हैं दुनिया की पांच सबसे खतरनाक नदियां भूल से भी न करें इसमें जाने की कोशिश

नई दिल्ली

दुनिया की धरती पर लाखों नदियां बहती हैं। नदी धरती पर बहने वाली एक जलधारा है। झील, हिमनद, झरना या बारिश का पानी नदी का स्रोत होता है और किसी सागर में जाकर गिरती है। संस्कृत के नद्य: से नदी शब्द आया है और इसे संस्कृत में ही सरिता भी कहते हैं। इस धरती पर कई ऐसी नदियां जो बेहद खतरनाक हैं। आईए हम दुनिया की पांच सबसे खतरनाक नदियों के बारे में बताते हैं।

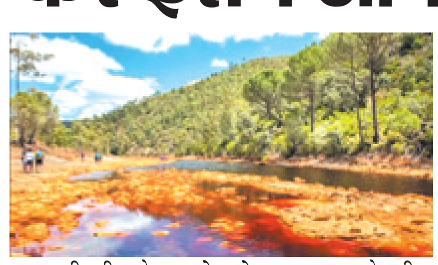

रेड रिवर : अमेरिका के दक्षिणी हिस्से में बहने वाली रेड रिवर देखने में जितनी आकर्षक है उतनी डरावनी भी है। इस नदी का बहवा रातों रात बदल जाता है जो स्थानीय लोगों के लिए बेहद खतरनाक है। इसके अलावा नदी में खतरनाक भवर है। अगर इसकी चपेट में कोई इंसान आ गया, तो उसका बचना मुश्किल है। इस नदी के रातों रात बहाव बदलने की वजह से कभी-कभी बड़ा हादसा होने का डर रहता है। इसलिए यह नदी बेहद खतरनाक मानी जाती है।

यांग्त्जी नदी : चीन में बहने वाली यांग्त्जी नदी एशिया की सबसे लंबी नदियों में से एक है। बारिश के मौसम में यह नदी अपने पूरे उफान पर होती है और चीन के लिए आफत बन जाती है। 6,300 किमी में बहने वाली यह नदी चीन के सबसे बड़े शहर वुहान के बीच से बहती है। इस नदी को चीन में जियांग के नाम से भी जाना जाता है। यह भी दुनिया की खतरनाक नदियों में शामिल है।

अमेजन नदी : अमेजन नदी की लंबाई 6200 किलोमीटर से लेकर 7,000 किलोमीटर तक मानी जाती है। इसके साथ ही यह दुनिया की सबसे लंबी और सबसे बड़ी नदी मानी जाती है। इस नदी की घाटी दक्षिण अमेरिका के आठ देशों में फैली है। ब्राजील, बोलीविया, पेरू, इक्वाडोर, कोलंबिया, वेनेजुएला, गुयाना, सूरीनाम और फ्रेंच गुयाना तक यह नदी बहती है। जंगलों के बीच बहने वाली इस नदी कई खतरनाक जीव पाए जाते हैं। इस नदी में दुनिया के सबसे बड़े सांप एनाकोंडा भी पाए जाते हैं।

रिओ टिंटो : स्पेन में बहने वाली रिओ टिंटो का रंग बाकी नदियों से बिल्कुल अलग है। इस नदी का रंग खून की तरह लाल है। सोने-चांदी और तांबे की खदानों के बीच से होकर यह नदी निकलती है। न आप इस नदी पानी पी सकते हैं, ना इसमें खड़े हो सकते हैं। स्पेन में बहने वाली लाल रंग की इस नदी में सिर्फ कुछ जलीय सूक्ष्मजीव ही रहते हैं जो इसके तेजाबी पानी को सहन कर पाते हैं। यह स्पेन के सिएर्रा मोरेना पहाड़ श्रृंखला से निकलती है और अन्ध महासागर में जाकर गिर जाती है। यह अपने लाल-नारंगी पानी के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है।

येलो रिवर : चीन की येलो रिवर दुनिया की सबसे खतरनाक नदियों में से एक है। यह नदी अपने बहाव क्षेत्र में 24 बार रास्ता बदलती है। इस नदी की वजह से चीन में हर साल तबाही मचती है। यह नदी रौद्र रूप धारण कर लेती है, तो अपने रास्ते में आने वाले हर तीज को तबाह कर देती है। इसकी वजह हर साल हजारों लोगों की मौत हो जाती है। इसे चीन में दुख की नदी कहते हैं।

आपका राशिफल 26 अप्रैल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) — परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय समान रहेगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुख-आनंद कारक समय है। अपने काम पर ध्यान दीजिए। अंधविश्वासी न बनें। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक 6 7 9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — किसी से वाद विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और मन का दुरुपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। यात्रा का योग। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते) — लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन है। 'आगे-आगे गोरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते है। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-2-3-5

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए चमत्कारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। आर्थिक चिंताएं कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक 3 5 8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-3-5-7

दुनिया की सबसे गर्म जगहें, जहां इंसान की हो सकती है मौत

नई दिल्ली।

भारत समेत दुनिया के कई देश इन दिनों भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं। भारत के कई राज्यों में हीटवेव की चेतावनी जारी की गई है। इसकी वजह से लोगों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। इसी कड़ी में आज हम आपको दुनिया की पांच ऐसी जगहों के बारे में बताएंगे, जहां इतनी भयानक गर्मी पड़ती है कि लोगों की जान भी जा सकती है। यह जगहें इतनी गर्म होती हैं कि यहां पर 10 मिनट में इंसान बीमार पड़ सकता है या कुछ घंटे में ही उसकी मौत हो सकती है।

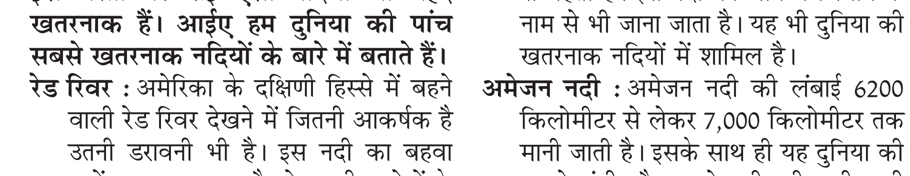

सहारा रेगिस्तान, अफ्रीका : दुनिया की सबसे गर्म जगहों में अफ्रीका का सहारा रेगिस्तान भी शामिल है। इस जगह का औसत तापमान 35 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। पूरे साल यहां 100 मिलिमीटर से भी कम बारिश होती है, जो न के बराबर है। सहारा रेगिस्तान में अधिकतम तापमान 58 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, जबकि सतह का तापमान 76 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। सहरा दुनिया का सबसे बड़ा गर्म रेगिस्तान है।

डेथ वैली, कैलिफोर्निया : कैलिफोर्निया की डेथ वैली दुनिया की सबसे अधिक गर्म जगहों में से एक है। 10 जुलाई 1913 में यहां पर अधिकतम तापमान का रिकॉर्ड बना था। उस समय डेथ वैली के फरनेस क्रीक नामक स्थान पर अधिकतम तापमान 56.17 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ था। फिलहाल यहां पर 37 से 40 डिग्री के बीच तापमान दर्ज किया जाता है। यहां पर गर्मी की कई वजहें हैं जिनमें सूरज की गर्मी, घाटी में गर्म हवाओं का बाहर नहीं जा पाना और फंसकर घूमता रहना है। इसके साथ ही आसपास रेगिस्तान मौजूद हैं, जहां से गर्म हवाएं आती हैं। यहां के जलीय स्त्रोतों से ह्यूमिडिटी निकलती है, जिनकी वजहों से डेथ वैली में जानलेवा गर्मी पड़ती है।

फ्लेमिंग माउंटेन, चीन : चीन का फ्लेमिंग माउंटेन टकलामाकेन रेगिस्तान के उत्तरी इलाके में स्थित है। शिनजियांग प्रांत के तियान शान में स्थित लाल सैंडस्टोन्स की पहाड़ियों को फ्लेमिंग माउंटेंस या हुओयान माउंटेंस भी कहा जाता है। इस पहाड़ की लंबाई 100 किलोमीटर और चौड़ाई 5 से 10 किलोमीटर है। इस जगह गर्मी के दिनों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। बताया जाता है कि साल 2008 में इस इलाके में 66.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड पहुंच था, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं की गई है।

ल अजीजिया, लीबिया : लीबिया के उत्तर-पश्चिम इलाके में स्थित जाफरा जिले में ल अजीजिया एक छोटा सा कस्बा है। इस इलाके में बहुत अधिक गर्मी पड़ती है। आमतौर पर यहां का उच्चतम तापमान 35 से 40 के बीच रहता है, लेकिन 13 सितंबर 1922 में 58 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया था। लेकिन बाद में विश्व मौसम संगठन ने साल 2012 में इसको गलत बताया था, क्योंकि उस समय तापमान मापने की सुविधा इस इलाके में नहीं थी। हालांकि इस इलाके में गर्मी बहुत अधिक पड़ती है।